एम. ए. (पूर्व) दर्शनशास्त्र परीक्षा के लिये चार सैद्धांतिक प्रश्न पत्र निधारित किये गये है। प्रत्येक प्रश्न पत्र पांच इकाईयो में विभाजित है। एक इकाई से एक प्रश्न हल करना करना आवश्यक होगा। प्रत्येक प्रशन पत्र का पत्र का पूर्णक 100 होगा।

एम.पूर्व दर्शनशास्त्र के निम्नलिखित 4 प्रशन पत्र होंगे।

प्रथम प्रश्न पत्र – तत्व मीमासा एवं ज्ञान मीमासा (भारतीय एवं पाश्चात्य)।

द्वितीय प्रश्न पत्र – पाश्चात्य दार्शनिक विचारों का इतिहास।

तृतीय प्रश्न पत्र – नीति शास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)।

चतुर्थ प्रश्न पत्र – धर्म दर्शन।

प्रश्न पत्र– प्रथम

भारतीय तत्व मीमांसा एवं ज्ञान मीमांसा

इकाई –1

अ) भारतीय दर्शन शास्त्र की उत्पत्ति और विकास –स्त्रोत
ब) वैदिक ऋतु की आवधारणा
स) उपनिषद् दर्शन –आत्मा और ब्रम्हा का स्वरूप
द) गीता दर्शन –तत्व विचार

इकाई –2

अ) चार्वाक दर्शन – तत्व मीमांसा एवं ज्ञान मींमास
ब) जैन दर्शन – द्रव्य विचार, अनेकांतवाद/स्यादवाद
स) बौद्ध दर्शन – प्रतीत्य समुत्पाद, अनात्मवाद, क्षणिकवाद
द) बौद्ध दर्शन के संप्रदाय – विज्ञानवाद एवं शुन्यवाद

इकाई –3

अ) सांख्य दर्शन – प्रकृति, पुरूष, सत्कार्यवाद/कारणता एवं विकासवाद
ब) योग दर्शन – अष्टांग योग, ईश्वरवाद

इकाई – 4

अ) न्याय दर्शन ज्ञान प्राप्ति के साधन (प्रमाण)
ब) ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण
स) वैशेषिक दर्शन – पदार्थ विचार, परमाणुवाद
द) मीमांसा दर्शन – प्रमाण (अर्थपत्ति, अनुपलब्धि),प्रमाण्यवाद्, ख्यातिवाद

इकाई – 5

अ) शंकर का अद्वैत वेदान्त – ब्रम्ह, जीव, माया और मोक्ष
ब) रामानुज का विशिष्टाद्वैतवाद – ब्रम्ह, जीव, माया और मोक्ष

अनुशंसित पुस्तकें –

1. एस. राधकृष्णन भारतीय दर्शन (भाग1–2)
2. सी.डी. शर्मा भारतीय दर्शन
3. सगमलाल पाण्डेय भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण
4. हरेन्द्र सिन्हा –भारतीय दर्शन
5. अशोक वर्मा – तत्व मीमांसा एवं ज्ञान मीमांसा

प्रश्न पत्र– द्वितीय

पाश्चात्य दार्शनिक विचारों का इतिहास

इकाई – 1
अ) प्रारंभिक ग्रीक दर्शन का परिचय
ब) सुकरातीय पद्धति, ज्ञान का सिद्धांत
स) प्लेटो का प्रत्यय सिद्धांत,जगत् विचार
द) अरस्तु का कारणता सिद्धांत आकार एवं वस्तु दर्शन, प्लेटो के प्रत्यय सिद्धांत का खंडन

इकाई – 2
अ) मध्यकालीन दर्शन की विशेषताएँ
ब) संत आगस्टाईन – ईश्वर विचार, अशुभ की समस्या
स) संत एक्विनास – ईश्वर कि अस्तित्व के प्रमाण, जगत् विचार

इकाई – 3
अ) देकार्त – दार्शतिक विधि एवं दर्शन में इसका महत्व, संदेह विधि, देहात्म संबंध (द्वैतवाद)
ब) स्पिनोजा – द्रव्य, गुण और पर्याय
स) लाइब्नित्ज – चिदणुवाद, पूर्व स्थापित सामंजस्य का सिद्धांत

इकाई – 4
अ) जान लॉक – सहज ज्ञान प्रत्ययों का खंडन ज्ञान सिद्धांत,
ब) जार्ज बर्कले – आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद, अमूर्त प्रत्यय का खंडन
स) डेविड ह्यूम – कारणता का खंडन, आत्मा, संदेहवाद

इकाई – 5
अ) काण्ट– ज्ञान का स्वरूप, ज्ञान के स्त्रोत, सीमा एवं प्रामाणिकता, समीक्षावाद, बुद्धि की कोटियॉ
ब) हीगल – द्वन्दात्मक विधि, निरपेक्ष प्रत्ययवाद

अनुशंसित पुस्तकें

1. दयाकृष्ण — पाश्चात्य दर्शन का इतिहास
2. जे. पी. अवस्थी — पश्चिमी दर्शन का इतिहास
3. जे. एस. श्रीवास्तव — ग्रीक एवं मध्ययुगीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास
4. जे. एस. श्रीवास्तव — आधुनिक पाश्चात्य दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास
5. सी.डी. शर्मा — पाश्चात्य दर्शन
6. थिली — हिस्ट्री आर्फ वेस्टर्न फिलासॉफी

प्रश्न पत्र– तृतीय

नीतिशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)

इकाई – 1
अ) भारतीय नीतिशास्त्र की मुलभूत मान्यताएँ
ब) ऋण,यज्ञ एवं ऋत का प्रत्यय
स) धर्म, साधारण धर्म, वर्णाश्रम एवं पुरूषार्थ
द) भगवद् गीता का कर्मयोग

इकाई – 2
अ) बौद्ध नीति शास्त्र – चार आर्य सत्य, अष्टांगिक मार्ग
ब) जैन नीति शास्त्र त्रिरत्न, पंच महाव्रत
स) योग दर्शन का नीति शास्त्र – यम, नियम
द) गांधी के नैतिक सिद्धांत

इकाई – 3
अ) पाश्चात्य नीति शास्त्र की पूर्व मान्यताएँ
ब) नैतिक निर्णय – स्वरूप, विषय,साध्य एवं साधन
स) सुखवाद – वेंथम, मिल एवं चार्वाक का सुखवाद
द) दंड के सिद्धांत

इकाई – 4
अ) काण्ट के नीति शास्त्र का आधार
ब) निरपेक्ष आदेश
स) शुभ संकल्प
द) सहज ज्ञानवाद – सामान्य परिचय

इकाई – 5
अ) सवेंगवाद – ए.जे. एयर
ब) सी.एल.इस्टीवेंसन के दृष्टिकोण
स) शुभ का प्रत्यय एवं प्राकृतिक दोष – मूर
द) प्रयोजनवाद – आर. एम. हेयर

अनुशंसित पुस्तकें –

1. सुरेन्द्र वर्मा – समकालीन नीतिशास्त्र की मूल प्रवृत्तियाँ
2. वेदप्रकाश वर्मा – नीतिशास्त्र के मूल सिद्धांत
3. एच.एन. मिश्रा – नीतिशास्त्र की भूमिका
4. रामजी सिंग – गांधी मीमांसा दर्शन
5. बी.एल. आत्रेय – भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास
6. राधाकृष्णन – द भगवदगीता

प्रश्न पत्र– चतुर्थ
धर्म दर्शन

इकाई – 1
अ) धर्म दर्शन का महत्व, स्वरूप तथा क्षेत्र
ब) धर्म का अर्थ एवं प्रकृति
स) धर्म की विज्ञान एवं दर्शन से संबद्ध
द) धर्म की उत्पत्ति के सिद्धांत

इकाई – 2
अ) ईश्वर का स्वरूप एवं गुण
ब) ईश्वर का प्रत्यय एवं ईश्वरवाद
स) अनीश्वरवाद एवं अज्ञेयवाद
द) ईश्वर के अस्तित्व विषयक प्रमाण

इकाई – 3
अ) धार्मिक अनुभूति
ब) धार्मिक चेतना एवं धार्मिक भाषा
स) रहस्यवाद
द) मोक्ष का स्वरूप एवं उसकी प्राप्ति के साधन

इकाई – 4
अ) कर्म एवं पूनर्जन्म का सिद्धां
ब) आत्मा का स्वरूप, आत्मा की अमरता का सिद्धांत
स) अशुभ की समस्या
द) पुरूषार्थ

इकाई – 5
अ) धर्म निरपेक्षता
ब) धार्मिक सहिष्णुता
स) धर्म परिवर्तन
द) हिन्दू, बौद्ध, जैन, इसाई, इस्लाम धर्म का सामान्य ज्ञान

अनुशंसित पुस्तकें –

1. लक्ष्मी निधि शर्मा – धर्म दर्शन
2. जानहिक – फिलॉसाफी ऑफ रेलीजन
3. हरेन्द्र मोहन सिन्हा – धर्म दर्शन की भूमिका
4. जे.पी. शर्मा – नवीन धर्म दर्शन की भूमिका
5. राईट – फिलॉसाफी ऑफ रेलीजन